

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया का दिल्ली पुलिस की वीमेन एंड चिल्ड्रन विशेष इकाई के साथ रिफ्रेशर ट्रेनिंग के लिए सहयोग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के समाज कार्य विभाग ने दिल्ली पुलिस की वीमेन एंड चिल्ड्रन विशेष इकाई (एसपीयूडब्ल्यूएसी) के साथ हाथ मिलाया है ताकि महिला प्रकोष्ठों में तैनात पुलिस अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जा सके। इस श्रृंखला में पहला प्रशिक्षण 17 मई से 19 मई तक जामिया के समाज कार्य विभाग में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य वैवाहिक संबंधों में हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है।

उद्घाटन समारोह श्री पीएन ख्रीमे, आईपीएस, संयुक्त पुलिस आयुक्त, एसपीयूडब्ल्यूएसी और स्पूनर, प्रो. रविंदर कुमार, डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, सुश्री इंदु बाला, एसीपी (प्रशिक्षण), एसपीयूडब्ल्यूएसी और प्रो. नीलम सुखरामनी, प्रमुख, समाज कार्य विभाग, जेएमआई द्वारा आयोजित किया गया था। विशिष्ट अतिथियों ने इस सहयोगी प्रयास के लिए अपना अटूट समर्थन दिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री ख्रीमे ने प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, "समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और एसपीयूडब्ल्यूएसी के बीच यह साझेदारी दिल्ली में महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा मानना है कि यह सहयोग हमारे समाज में महिलाओं और बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह साझेदारी अन्य संस्थानों के अनुसरण के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करती है और दिखाती है कि एक साथ मिलकर हम बदलाव ला सकते हैं।"

प्रो. नीलम सुखरामनी ने इस पहल की प्रासंगिकता पर जोर देने के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के आंकड़ों का सहारा लिया। एनएफएचएस डेटा रिपोर्ट करता है कि 15 से 49 वर्ष की आयु के बीच की लगभग एक-तिहाई महिलाएं अभी भी वैवाहिक हिंसा का अनुभव करती हैं और उनमें से केवल 14% ने कभी इसके लिए मदद मांगी है। यह आंकड़ा सेवा वितरण प्रणाली को अपने प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने की अपील करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम समकालीन वास्तविकता और कौशल वृद्धि की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में जेंडर, जेंडर आधारित हिंसा और इसके प्रभाव, कपल एनरिचमेंट, स्वयं को समझने और पीड़ितों/सरवाईवर्स और उनके इको-सिस्टम के साथ काम करने के कौशल के आसपास के कई विषयों को शामिल किया गया, प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक अभ्यास की एक श्रृंखला में शामिल होंगे।

सत्रों का नेतृत्व समाज कार्य विभाग, जेएमआई और दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ फैसिलिटेटर्स के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर ने किया। प्रशिक्षण के पहले बैच के लिए 35 प्रतिभागियों को नानकपुरा में नोडल कार्यालय सहित दिल्ली के विभिन्न जिलों में संचालित सभी क्राइम अगेंस्ट वीमेन सेल से लिया गया है। जामिया के समाज कार्य विभाग की प्रशिक्षण टीम में प्रो. नीलम सुखरामनी, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. हेम बोरकर, सुश्री अर्शी शौकत और सुश्री अंजलि जोशी शामिल हैं।

गौरतलब है कि जामिया के समाज कार्य विभाग का क्राइम अगेंस्ट वीमेन सेल के साथ सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम 2008 से सात दिनों तक चला था। तब से, विभिन्न अंतरालों पर नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विभाग निर्भया कोष से वित्तीय सहायता के साथ दिल्ली के 20 पुलिस स्टेशनों में एक हस्तक्षेप परियोजना के लिए तकनीकी सहायता एजेंसियों में से एक था। 2017-20 का पायलट प्रोजेक्ट महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों का मुकाबला करने की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया